International Journal of Advanced Research and Development
ISSN: 2455-4030; Impact Factor: RJIF 5.24
Received: 06-11-2019; Accepted: 07-12-2019
www.advancedjournal.com
Volume 5; Issue 1; January 2020; Page No. 24-25

Contribution of science & technology in women empowerment

Neeta Singh Gaharwar
Assistant Professor, Department of Education, A.K.S. University, Satna, Madhya Pradesh, India

सारांश
शोध पत्र में महिला सशक्तिकरण में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के योगदान का अध्ययन किया गया है। वर्तमान विश्व के विकास का परिदृश्य बड़ी ही तीव्र गति से बदल रहा है। इस विकास में विज्ञान एवं औद्योगीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में महिलाओं के तकनीकी ज्ञान का विकास भी राष्ट्र के विकास से तो जुड़ता है, क्योंकि महिलाएँ भी मानवीय संसाधन के महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में अपनी भूमिका निभा रही है। विज्ञान और तकनीकी ज्ञान उन्हें समाज में आर्थिक रूप में सशक्त बनाने में सहायक है। आज बालिकाओं को विज्ञान व तकनीकी ज्ञान विषय के आधार पर ही शिक्षा ग्रहण करने के लिए शासकीय व अशासकीय दोनों ही संस्थाओं को प्रेरित करना चाहिए।

मूलशब्दः सशक्तिकरण, प्रौद्योगिकी, योगदान, विज्ञान।

प्रस्तावना

वर्तमान समय में वैज्ञानिक व तकनीकी शिक्षा के कारण ही आज महिलाएँ इंजीनियरिंग की विभिन्न विधाओं का ज्ञान, न्यूक्लियर साइंस, चिकित्सा, गणित व अन्तरिक्ष के ज्ञान को अर्जित कर रही है, जो कि उनके सशक्तिकरण के आधार की पृष्ठभूमि निर्मित कर रहा है। यदि कहा जाए कि वर्तमान में विज्ञान और तकनीकी ज्ञान महिलाओं के सशक्तिकरण के आधार का केन्द्र बिन्दु बना हुआ है, तो अतिश्योक्ति नहीं होगी, क्यों कि कल्पना चावला व सुनीता विलियम्स जैसी महिलाएँ राष्ट्र की पहचान बन रही है। [1]
वर्तमान विश्व का परिदृश्य बड़ी ही तीव्रगति से बदल रहा है। इस विकास में विज्ञान और तकनीकी ज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में महिलाओं के तकनीकी ज्ञान का विकास भी राष्ट्र के विकास से तो जुड़ता है, क्योंकि महिलाएँ भी मानवीय संसाधन के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। विज्ञान और तकनीकी ज्ञान उन्हें समाज में आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में सहायक है। [2] आज बालिकाओं को विज्ञान व तकनीकी ज्ञान के लिये शासकीय व अशासकीय दोनों संस्थाओं को प्रेरित करना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में आज जो बालिकाएँ किन्ही कारण वश विद्यालय में प्रवेश नहीं ले पाती, तब हमारे विज्ञान और तकनीक के संसाधन जैसे नेट, रेडियो, टेलीविजन के माध्यम से नई तकनीकी ज्ञान की जानकारी प्रदान की जा रही है। [3] तकनीकी ज्ञान के कारण ही महिलाएँ पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए इंटरनेट के द्वारा विभिन्न वैज्ञानिक विषयों की जानकारी प्राप्त कर अपने ज्ञान में आधुनिक तकनीकी ज्ञान का प्राप्त कर अपने ज्ञान में आधुनिक तकनीकी ज्ञान को प्राप्त कर रही है, जो कि उनके लक्ष्य का रचनात्मक दिशा देने में सहायक है। [4]
19वी शताब्दी के उत्तरार्द्ध में हुई वैज्ञानिक प्रगति ने महिलाओं को अपनी क्षमताओं को पुनर्स्थापित करने का सुनहरा अवसर प्रदान कराया और वह आज बराबरी से वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान को अर्जित कर पा रही है। [5]
सूचना एवं प्रौद्योगिकी के अन्तर्गत हम कम्प्यूटर व इंटरनेट के माध्यम से विश्व के विभिन्न पक्षों की जानकारी घर बैठे ही प्राप्त कर सकते है। सूचना और प्रौद्योगिकी के माध्यम से हम विभिन्न उपकरणों तथा विभिन्न उपग्रहों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों के तकनीकी ज्ञान की जानकारी प्राप्त कर सकते है। वास्तव में किसी भी देश की सम्पन्नता तथा प्रगति पुरूष तथा महिलाओं की समानता पर निर्भर करती है। तकनीकी ज्ञान से प्रशिक्षित महिलाएँ भी राष्ट्र की सम्पन्नता में अपना योगदान देती है। साथ ही महिलाओं को भी अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने में भी मद्द मिलती है। सन् 1987 से महिलाओं को तकनीकी ज्ञान तथा प्रशिक्षण के माध्यम से शासन द्वारा भी सशक्त बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम प्रारंभ किए गए, जिससे उनकी स्थिति समृद्ध हुई और स्वाबलम्बन व आत्म सम्मान का विकास हो सका। सूचना और प्रौद्योगिकी के अन्तर्गत उन्होंने विभिन्न तकनीकी ज्ञान घर बैठे ही प्राप्त हो जाता है। और वे कुटीर और लघु उद्योग के सम्बन्ध में नयी तकनीकी ज्ञान का प्राप्त कर लेती है, जो उन्हें उनके सीमित संसाधनों में भी समृद्ध बनाने में सहायक होता है।
एक वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान से प्रशिक्षित महिला अच्छी तकनीकी ज्ञान की जानकारी अपने रिश्तेदार, जनजाति, गाँव और अपने समुदाय को प्रदान कर सकती है। वर्तमान समय में सूचना प्रौद्योगिकी, कम्प्यूटर पर आधारित है। एक ओर जहाँ विज्ञान ने समाज के विकास को नई दिशा दी है, वही दूसरी ओर महिलाओं ने विकास और उत्थान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान समय में महिलाओं की सामाजिक स्थिति में जो परिवर्तन देख रहे हैं, उनमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी उनके विकास का मार्गदर्शन कर रही है। महिलाएँ, पारिवारिक जीवन और सामाजिक दायित्वों में भी विज्ञान के नये ज्ञान के प्रभाव को नकार नही सकती है। वर्तमान सूचना और प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी विकास के माध्यम से महिला सशक्तीकरण नीति को व्यवहारिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है।
राष्ट्र के निर्माण में भी महिलाएँ आज तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर सहयोग प्रदान कर रही है। जहाँ महिलाओं को अब तक केवल घर के काम करने वाली मानसिकता का ही विकास हो रहा था, वहीं अब समाज सुधारकों के प्रयासों का ही परिणाम है, कि शिक्षित होकर अपने अधिकारों और कत्तव्यों के प्रति भी जागरूक हो रही है। वे महिला सशक्तीकरण की दिशा की ओर अग्रसर है। आज महिलाएँ केवल अपने राष्ट्र की नही, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सूचना प्रौद्योगिकी ने आज पूरी धरती को एक कर दिया है। इसने विश्व के विभिन्न तकनीकी ज्ञान को जोड़कर एक वैश्विक नवीन तकनीकी ज्ञान को जन्म दिया है। दूसरे शब्दों में ''इस ज्ञान की नई शाखा को सूचना प्रौद्योगिकी कहते है।'' काम करने वाली महिला दुनिया में होने वाले परिवर्तनों को सीधे देख और सुन सकती है, जो कि सूचना और प्रौद्योगिकी की ही देन है। आज

शिक्षा (e-education), व्यापार (e-trade), प्रशासन (e-administration), स्वास्थ्य, (e-health), सरकार (e-government), उद्योग, अनुसंधान व विकास, संगठन, प्रचार आदि सभी क्षेत्रों की कायापलट हो गयी है। वही ये क्षेत्र महिला सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ये क्षेत्र नए रोजगारों का भी सृजन करते है। साथ ही सूचना, सम्पन्नता, महिला सशक्तीकरण बढ़ा है। वर्तमान समय में सूचना प्रौद्योगिकी ''सेवा अर्थतंत्र'' का आधार है।

इंटरनेट के माध्यम से रेलवे व विमानों में यात्रा करने के लिये घर बैठे टिकट व आरक्षण करवा लिया जा सकता है। वे न्यायालय के निर्णयों को भी घर बैठे ऑनलाईन देख लेती है। ऑनलाईन परीक्षा के आवेदन पत्र भरकर ऑनलाईन परीक्षा दे सकती है; आयकर विभाग के समय सीमा में रिटर्न भर सकती है। भारत में स्वतंत्रता के पश्चात् भारतीय संविधान में महिलाओं को जब समानता प्राप्त हुई तो उन्होंनें भी विभिन्न क्षेत्रों में पदार्पण किया। आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में वृद्धि के कारण ही महिला सशक्तिकरण के मायने कहे जा सकते है। सूचना प्रौद्योगिकी के द्वारा दी जा रही जानकारियों के कारण ही महिलाओं की स्थिति में सुधार हुआ है, और महिलाएँ शक्ति, धन और ज्ञान का प्रतीक बन गयी है।

निष्कर्ष

आधुनिक युग में उपलब्ध संचार के माध्यम चाहे इंटरनेट हो या टेलीवीजन व मोबाइल उन्हें घर बैठे विश्व के विभिनन गतिविधियों की जानकारी प्रदान कर देते है। चाहे वह शिक्षा, व्यापार या चिकित्सा व आर्थिक क्षेत्र में होने वाले नित नवीन अन्वेषणों की जानकारी तत्कार प्राप्त कर लेती है। महिलाएँ विश्व में संचार क्रांति के फलस्वरूप अब अपने आपको सशक्त बनाने में काफी प्रयत्नशील है। संचार क्रांति के फलस्वरूप अब इलेक्ट्रानिक संचार को भी सूचना प्रौद्योगिकी का एक प्रमुख घटक माना जाने लगा है। इससे सूचना और संचार प्रौद्योगिकी भी कहा जाता है। वर्तमान में यह एक उद्योग के तौर पर उभरता हुआ क्षेत्र है।

सन्दर्भ सूची

1. मुखर्जी, रविन्द्रनाथः भारतीय समाज व संस्कृति।
2. विवेक, आर.एन.: भारत में विचार क्रांति।
3. श्रीनिवास, एम.एन.: आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन।
4. महाजन, डॉ. धर्मवीरः भारतीय समाज के परिप्रेक्ष्य।
5. बघेल, डॉ. डी.एसः समकालीन भारतीय समाज एवं संस्कृति।